एफएमआर - 1

गैर बैंकिग वित्तीय कंपनियों में वास्तविक अथवा संदिग्ध धोखाधड़ियों के संबंध में रिपोर्ट
(देखें पैराग्राफ 3)

भाग क : धोखाधड़ी संबंधी रिपोर्ट

1	गैर बैंकिग वित्तीय कंपनी का नाम		
2	धोखाधड़ी संख्या [1]		
3	शाखा का ब्यौरा [2] -		
	(क)	शाखा का नाम	
	(ख)	शाखा का प्रकार	
	(ग)	स्थान	
	(घ)	ज़िला	
	(ड़)	राज्य	
4	मुख्य पार्टी / खाते का नाम [3]		
5	(क)	वह परिचालन क्षेत्र जिसमें धोखाधड़ी हुई है [4]	
	(ख)	क्या धोखाधड़ी उधार खाते में हुई	हां / नहीं
6	(क)	धोखाधड़ी का स्वरूप [5]	
	(ख)	क्या धोखाधड़ी में कंप्यूटर का प्रयोग किया गया ?	
	(ग)	यदि हां -तो उसके ब्योरे दें	
7	धोखाधड़ी की कुल राशि [6] (लाख रुपयों में)		

8	(क)	धोखाधड़ी होने की तारीख [7]	
	(ख)	पता लगने की तारीख [8]	
	(ग)	धोखाधड़ी का पता लगने में हुए विलंब , यदि कोई हो, के कारण	
	(घ)	भारिबैं को सूचित करने की तारीख [9]	
	(ङ)	भारिबैं को धोखाधड़ी की सूचना देने में हुई देर, यदि कोई हो, के कारण	
9	(क)	संक्षिप्त इतिहास / संक्षेप में पूरा मामला	
	(ख)	कार्यप्रणाली/तरीका	
10	यह धोखाधड़ी निम्नलिखित में से किसने की -		
	(क)	स्टाफ	हां / नहीं
	(ख)	ग्राहक	हां / नहीं
	(ग)	बाहर के लोग	हां / नहीं
11	(क)	क्या नियंत्रक कार्यालय (क्षेत्रीय / आंचलिक) नियंत्रक विवरणियों, यदि कोई हो, की संवीक्षा से धोखाधड़ी का पता लगा सका ?	हां / नहीं
	(ख)	क्या सूचना प्रणाली में सुधार की आवश्यकता है ?	हां / नहीं
12	(क)	क्या शाखा (शाखाओं) में पहली बार यह धोखाधड़ी होने की तारीख और उसका पता चलने के बीच की अवधि के दौरान आंतरिक निरीक्षण / लेखा-परीक्षा (समवर्ती लेखा-परीक्षा सहित) की गई थी ?	हां / नहीं
	(ख)	यदि हां, तो ऐसे निरीक्षण / लेखा-परीक्षा के दौरान धोखाधड़ी का पता क्यों नहीं चला ?	
	(ग)	ऐसे निरीक्षण / लेखा-परीक्षा में धोखाधड़ी का पता न लगा सकने पर क्या कार्रवाई की गई ?	

13	की गई / प्रस्तावित कार्रवाई -		
	(क)	पुलिस में शिकायत -	
		(i) क्या पुलिस के पास कोई शिकायत दर्ज़ कराई गई है ?	हां / नहीं
		(ii) यदि हां, तो पुलिस थाने का नाम -	
		(1) मामला सूचित करने की तारीख	
		(2) मामले की वर्तमान स्थिति	
		(3) पुलिस जांच पूरी होने की तारीख	
		(4) पुलिस द्वारा जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने की तारीख	
		(iii) यदि पुलिस में रिपोर्ट नहीं की गई तो उसके कारण	
	(ख)	न्यायालय/अन्य संस्था में वसूली संबंधी वाद -	
		(i) वाद दायर करने की तारीख	
		(ii) वर्तमान स्थिति	
	(ग)	बीमा संबंधी दावा -	
		(i) क्या किसी बीमा कंपनी में कोई दावा दाखिल किया गया है	हां / नहीं
		(ii) यदि नहीं, तो उसके कारण	
	(घ)	स्टाफ संबंधी कार्रवाई का ब्यौरा -	
		(i) क्या कोई आंतरिक जांच/अन्वेषण किया गया है / प्रस्तावित है ?	हां / नहीं
		(ii) यदि हां, तो जांच पूरी होने की तारीख	
		(iii) क्या कोई विभागीय जांच की गई है / प्रस्तावित है ?	
		(iv) यदि हां, तो नीचे दिए गए फॉर्मेट के अनुसार ब्यौरा दें :	
		(v) यदि नहीं, तो उसके कारण दें	

सं.	नाम	पदनाम	क्या निलंबित किया गया / निलंबन की तारीख	आरोप-पत्र जारी करने की तारीख	आंतरिक जांच शुरू करने की तारीख	जांच पूरी होने की तारीख	अंतिम आदेश जारी करने की तारीख	दिया गया दंड	अभियोजन / सज़ा / रिहाई, आदि का ब्यौरा

	(ङ)	ऐसी घटनाओं से बचने के लिए उठाये गए / प्रस्तावित कदम
14	(क)	वसूल की गई कुल राशि -
		(i) संबंधित पार्टी / पार्टियों से वसूल की गई राशि
		(ii) बीमा से "
		(iii) अन्य स्रोतों से "
	(ख)	गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी को हुए नुकसान की मात्रा(रु.)
	(ग)	रखा गया प्रावधान
	(घ)	बट्टे खाते लिखी गई राशि
15		भारतीय रिज़र्व बैंक के विचारार्थ सुझाव

भाग ख : उधार खातों में धोखाधड़ी संबंधी अतिरिक्त जानकारी

(इस भाग को 5 लाख रुपए और उससे अधिक की राशि के सभी उधार खातों मे हुई धोखाधड़ियों के संबंध में भरा जाए)

क्र. सं.	पार्टी का प्रकार	पार्टी / खाते का नाम	पार्टी का पता

उधार खाते का ब्यौरा

पार्टी क्र.सं.	पार्टी / खाते का नाम	उधार खाते की क्र.संख्या	खाते का स्वरूप	मंजूरी की तारीख	स्वीकृत सीमा	बकाया शेष

उधारखाते के निदेशक / स्वामी का नाम और पता

पार्टी / खाते का नाम	क्र.सं.	निदेशक / स्वामी का नाम	पता

सहायक संस्था

पार्टी / खाते का नाम	सहायक संस्था क्र.	सहायक संस्था का नाम	पता

सहायक संस्था के निदेशक / स्वामी के ब्योरे

सहायक संस्था का नाम	क्रम संख्या	निदेशक का नाम	पता

धोखाधड़ी रिपोर्ट (एफएमआर-1) संकलित करने के अनुदेश :

1	धोखाधड़ी संख्या : इसे कंप्यूटरीकरण और प्रति संदर्भ संबंधी सुविधा प्रदान करने को मद्देनज़र रखते हुए प्रारंभ किया गया है । संख्या अल्फान्यूमेरिक फील्ड होगी जिसमें निम्नलिखित शामिल होंगे : चार अक्षर (गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी का नाम दर्शाने के लिए), वर्ष के लिए दो अंक (02, 03 आदि), तिमाही के लिए दो अंक (जनवरी-मार्च तिमाही के लिए 01, आदि) और अंतिम चार अंक, तिमाही में सूचित की गई धोखाधड़ी के लिए विशिष्ट कूटांक होंगे ।
2	शाखा का नाम : यदि धोखाधड़ी एक से अधिक शाखा से संबंधित हो तो केवल किसी एक ऐसी शाखा का नाम दर्शाएं जहां पर धोखाधड़ियों में शामिल राशि सबसे अधिक हो और / अथवा जो मुख्यत: धोखाधड़ी के संबंध में मुख्य रूप से अनुवर्ती कार्रवाई कर रही हो । अन्य शाखाओं के नाम मद सं.9 के सामने संक्षिप्त इतिहास / कार्यप्रणाली में दर्शाए जाएं ।
3	पार्टी का नाम : धोखाधड़ी की पहचान करने के लिए सुस्पष्ट नाम दिया जाए । उधार खातों में होने वाली धोखाधड़ियों के मामले में, उधारकर्ता का नाम दिया जाए। कर्मचारियों द्वारा की गई धोखाधड़ियों के मामले में, धोखाधड़ी की पहचान करने के लिए कर्मचारी / कर्मचारियों का / के नाम / नामों को प्रयोग में लाया जा सकता है । जहां धोखाधड़ी हो गई है, जैसे कि अंतर-शाखा में, और धोखाधड़ी में शामिल किसी कर्मचारी विशेष को तत्समय पहचान पाना संभव न हो तो उसे केवल " अंतर-शाखा खाते में धोखाधड़ी " के रूप में ही मान लिया जाए ।
4	वह परिचालन क्षेत्र जहां धोखाधड़ी हुई है : विवरण एफएमआर-2 (भाग क) के कॉलम 1 में दिए गए संबद्ध क्षेत्र दर्शाएं यथा [नकदी; जमा (मीयादी); विदेशी मुद्रा लेन-देन; अंतर-शाखा खाते; चेक /मांग ड्राफ्ट, आदि; खाते; तुलन-पत्र से इतर (साख पत्र / गारंटी / सह-स्वीकृति, अन्य ऋण]; अन्य ।
5	धोखाधड़ी का स्वरूप : निम्नलिखित में से उस संबद्ध श्रेणी की संख्या चुनें जो धोखाधड़ी के स्वरूप का उत्तम वर्णन करती हो : (1) दुर्विनियोजन और आपराधिक विश्वास भंग, (2) जाली लिखतों, लेखा-बहियों में हेर-फेर अथवा बेनामी खातों के जरिए कपटपूर्ण नकदीकरण और संपत्ति का परिवर्तन, (3) पुरस्कार स्वरूप अथवा अवैध तुष्टीकरण के लिए दी गई अनधिकृत ऋण सुविधाएं । (4) लापरवाही और नकदी में कमी (5) छल और जालसाज़ी (6) विदेशी मुद्रा संबंधी लेन-देनों में अनियमितताएं (7) अन्य ।
6	धोखाधड़ी की कुल राशि : सभी स्थानों पर राशि को दशमलव मे दो अंकों तक लाख रुपए में दर्शाया जाए ।
7	धोखाधड़ी होने की तारीख : यदि धोखाधड़ी होने की सही तारीख़ को बता पाना कठिन हो (उदाहरण के रूप में, यदि चोरियां किसी अवधि के दौरान हुई हों, अथवा यदि उधारकर्ता का विशिष्ट व्यवहार, जो बाद में /कपटपूर्ण/गलत पाया गया हो, की वास्तविक तारीख सुनिश्चित करना संभव न हो) तो कोई ऐसी नोशनल तारीख दर्शाई जाए जो किसी व्यक्ति द्वारा की गई धोखाधड़ी की सबसे अधिक संभाव्य तारीख़ हो सकती हो (उदाहरणार्थ वर्ष 2002 में हुई किसी धोखाधड़ी के लिए 1 जनवरी, 2002) । विशिष्ट ब्यौरा, जैसे कि वह अवधि, जिसमें धोखाधड़ी की गई, इतिहास / कार्यप्रणाली में दिया जाए ।
8	पता लगने की तारीख़ :यदि वास्तविक तारीख़ का पता न हो (जैसे कि निरीक्षण / लेखा-परीक्षा के दौरान पाई गई धोखाधड़ी के मामले में अथवा धोखाधड़ी का ऐसा मामला जो रिज़र्व बैंक के निर्देशों पर सूचित किया गया हो), तो ऐसी नोशनल तारीख़ दर्शाई जाए जिस दिन धोखाधड़ी होने का पता चला हो ।
9	भारिबैं को सूचित करने की तारीख़ : सूचित करने की तारीख़ एक समान रूप से वह तारीख़ होनी चाहिए जो फॉर्म एफएमआर-1 में भारिबैं को भेजी गई धोखाधड़ी की विस्तृत रिपोर्ट में दी गई हो न कि किसी फैक्स अथवा अ.शा.पत्र की कोई ऐसी तारीख़ जो इस रिपोर्ट से पहले भेजा गया हो ।

एफएमआर - 2

बकाया धोखाधड़ियों से संबंधित तिमाही रिपोर्ट

(पैरा 4.1 के अनुसार)

गैर बैंकिग वित्तीय कंपनी का नाम : _____

_____को समाप्त तिमाही के लिए रिपोर्ट

देशी / विदेशी

भाग - क : बकाया धोखाधड़ियाँ

(राशि लाख रुपयों में)

संवर्ग	पिछली तिमाही की समाप्ति पर बकाया मामलों की स्थिति		विद्यमान तिमाही के दौरान रिपोर्ट किए गए नए मामले		विद्यमान तिमाही के दौरान बंद किए गए मामले		तिमाही की समाप्ति पर बकाया मामले		वसूली गई कुल राशि	इस तिमाही के अंत में बकाया मामलों के लिए किया गया प्रावधान	विद्यमान तिम के दौरान वस गई राशि	विद्यमान तिमाही के दौरान बट्टे खाते डाली गई राशि
	सं.	राशि	सं.	राशि	सं.	राशि	सं. (2+4+6)	राशि (3+5-7)	राशि	राशि	राशि	राशि
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
नकदी												
जमाराशियां - (i) आवर्ती (ii) दैनिक (iii) मीयादी (iv) अन्य												
अनिवासी खाते												
अग्रिम - (i) नकदी ऋण (ii) मीयादी ऋण (iii) बिल (iv) अन्य												
अंतर-शाखा खाते												
तुलन-पत्र से इतर - (i) साख-पत्र (ii) गारंटी (iii) सह-स्वीकृति (iv) अन्य												
अन्य												
कुल												

नोट : वे भारतीय गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ जिनके विदेश में कार्यालय / शाखाएं हैं, उनके उपर्युक्त आंकड़े देशी स्थिति से संबंधित रहेंगे । उनकी विदेशी शाखाओं / कार्यालयों से संबंधित आंकड़े उपर्युक्त इसी फार्मेट में एक अलग शीट पर दर्शाए जाएं।

भाग-ख : - ----------तिमाही के दौरान रिपोर्ट की गई धोखाधड़ियों का श्रेणी-वार वर्गीकरण

गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी का नाम : ----------

श्रेणी	दुर्विनियोजन तथा आपराधिक विश्वासघात		धोखे से नकदीकरण / लेखा-बाहियों में हेराफेरी तथा संपत्ति का परिवर्तन		गैर-कानूनी परितुष्टि के लिए अनधिकृत ऋण सुविधा देना		लापरवाही तथा नकदी कम हो जाना		धोखेबाज़ी तथा जालसाज़ी		विदेशी मुद्रा लेनदेनों में अनियमित-ताएं		अन्य		कुल	
	सं.	राशि	सं.	राशि	सं.	राशि	सं.	राशि	सं.	राशि	सं.	राशि	सं.	राशि	सं.	राशि
एक लाख रुपए से कम																
एक लाख रुपए और उससे अधिक किन्तु 25 लाख रुपए से कम																
25 लाख रुपए और उससे अधिक																
कुल																

भाग -ग : --------- तिमाही के दौरान रिपोर्ट की गई धोखाधड़ियों का अपराधी-वार वर्गीकरण
गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी का नाम : ----------

श्रेणी	स्टाफ		ग्राहक		बाहरी व्यक्ति		स्टाफ तथा ग्राहक		स्टाफ तथा बाहरी व्यक्ति		ग्राहक तथा बाहरी व्यक्ति		स्टाफ, ग्राहक तथा बाहरी व्यक्ति		कुल	
	सं.	राशि	सं.	राशि	सं.	राशि	सं	राशि	सं.	राशि	सं.	राशि	सं.	राशि	सं.	राशि
एक लाख रुपए से कम																
एक लाख रुपए और उससे अधिक किन्तु 25 लाख रुपए से कम																
25 लाख रुपए और उससे अधिक																
कुल																

नोट : 1. उपर्युक्त श्रेणी-वार वर्गीकरण मुख्यतः भारतीय दंड संहिता के विभिन्न प्रावधानों पर आधारित है ।
2. सभी राशियां लाख रुपयों में दो दशमलव अंकों तक दर्शाई जाएं ।

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि पिछली तिमाही के दौरान रिज़र्व बैंक को रिपोर्ट की गई एक लाख रुपए और उससे अधिक की सभी धोखाधड़ियां गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी के बोर्ड को भी रिपोर्ट की गई हैं तथा उपर्युक्त भाग 'क' (कॉलम 4 तथा 5) एवं भाग 'ख' तथा 'ग' में शामिल की गई हैं ।

हस्ताक्षरः
नाम तथा पदनामः

स्थानः
दिनांकः

एफएमआर-3

1.00 लाख रुपए और अधिक की धोखाधड़ियों संबंधी तिमाही प्रगति रिपोर्ट

(पैराग्राफ 4.2 के अनुसार)

गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी का नाम :

. . को समाप्त तिमाही के लिए विवरण

भाग-कः संक्षिप्त सूचना

		संख्या	धोखाधड़ी की राशि (लाख रुपयों में)
1.	बकाया मामले		
2.	मामले, जिनमें कोई प्रगति नहीं हुई है (नीचे भाग-ख में दिए हुए फार्मेट के अनुसार मामले-वार ब्यौरे प्रस्तुत करें)		
3.	मामले जिनमें प्रगति हुई है (नीचे भाग-ग में दिए हुए फार्मेट के अनुसार मामले-वार ब्यौरे प्रस्तुत करें)		

भाग-खः जिन मामलों में कोई प्रगति नहीं हुई है उनके ब्यौरे

सं.	शाखा का नाम	धोखाधड़ी सं.	पार्टी/खाते का नाम	राशि (लाख रुपयों में)

भाग-ग: प्रगति के मामले-वार ब्यौरे

पार्टी/खाते का नाम : .

शाखा/कार्यालय का नाम : .

धोखाधड़ी की राशि : .
(**लाख रुपयों में**)

धोखाधड़ी सं. : .

1.	प्रथम बार सूचना देने की तारीख	
2.	(क) ऋण वसूली प्राधिकरण/अन्य संस्था में वसूली वाद दायर करने की तारीख	
	(ख) वर्तमान स्थिति	
3.	गत तिमाही के अंत तक की गई वसूलियां (लाख रुपयों में)	
4.	तिमाही के दौरान की गयी वसूलियां (लाख रुपयों में)	
	(क) संबंधित पार्टी/पार्टियों से	
	(ख) बीमा से	
	(ग) अन्य स्रोतों से	
5.	कुल वसूलियां (3+4) (लाख रुपयों में)	
6.	गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी को हुई हानि (लाख रुपयों में)	
7.	किए गए प्रावधान (लाख रुपयों में)	
8.	बट्टे-खाते डाली गई राशि (लाख रुपयों में)	
9.	(क) पुलिस को मामला रिपोर्ट किए जाने की तारीख	
	(ख) पुलिस जांच पूरी होने की तारीख	
	(ग) पुलिस द्वारा जाँच रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने की तारीख	

10. स्टाफ पर की गई कार्रवाई के ब्यौरे

सं.	नाम	पदनाम	क्या निलंबन किया गया/ निलंबन की तारीख	आरोप-पत्र जारी करने की तारीख	आंतरिक जांच प्रारंभ होने की तारीख	जांच पूरी होने की तारीख	अंतिम आदेश जारी करने की तारीख	दिया गया दंड	अभियो-जन/सज़ा/ दोषमुक्ति आदि के ब्यौरे
1.									
2.									
3.									
4.									

11.	अन्य घटनाक्रम	

12.	क्या तिमाही के दौरान मामला बंद किया गया	हां/नहीं

13.	मामला बंद करने की तारीख	